कुटिया में मेरी जब आओगे श्याम | By Rajneesh Sharma |

कुटिया में मेरी जब आओगे श्याम
तो कौन सा रिश्ता निभाओगे श्याम

जो पुत्र बन आओ तो ऐसा बन आना
श्रवण को याद करे ये ज़माना
जो जिद हो जरूरी, उसे करना पूरी
फ़र्ज़ पिता होने का निभाना
जो गोदी में मुझको बिठाओगे श्याम
तो कौन सा रिश्ता निभाओगे श्याम...

जो मित्र बन आओ तो ऐसा बन आना
सुदामा का गाए ये दुनिया फ़साना
दूध और पानी का संगम हो जैसे
चाहता हूँ वैसे ही तुझमें समाना
चावल जब मेरे चबाओगे श्याम
तो कौन सा रिश्ता निभाओगे श्याम...

जो भक्त बन आओ तो ऐसा बन आना
गण का अजामिलता आगे बढ़ाना
मैं नरसी नहीं हूँ, नाहीं हूँ मीरा
कष्टों को कैसे सहूँगा मैं कन्हा
जो पार भव से लगाओगे श्याम
तो कौन सा रिश्ता निभाओगे श्याम...

सुनी तेरी इतनी, प्रभु मुस्कुराए
बोले रे बोले, क्या रिश्ता बताए
माता-पिता और बंधु सखा भी
है विश्वास जिसको वही मुझको पाए
जब श्यामल को मितवा बनाओगे श्याम
तो सारे ही रिश्ते निभाओगे श्याम...

कुटिया में मेरी जब आओगे श्याम
तो सारे ही रिश्ते निभाओगे श्याम...

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%9f%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%86%e0%a4%93%e0%a4%97%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d/